ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय- हिन्दी

दिनांक—04/07//2020 व्याकरण-संज्ञा

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो!

आपने अभी तक संज्ञा के तीन भेद पढ़े परंतु संज्ञा के दो और भेद बताए जाते हैं,

कुछ विद्वान अंग्रेज़ी व्याकरण के आधार पर हिंदी में संज्ञा के निम्नलिखित दो उपभेद भी मानते हैं-

1.द्रव्यवाचक संज्ञा

2. समूहवाचक संज्ञा

1. **द्रव्यवाचक संज्ञा-** जिन संज्ञा शब्दों से विभिन्न पदार्थों का बोध होता है, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- लोहा, चाँदी, सोना, पीतल, गेहूँ, चावल, जल, दूध, तेल आदि।
2. **समूहवाचक संज्ञा-** जिन शब्दों से संज्ञा के समूह का बोध हो, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे- कक्षा, दल, सेना, भीड़, गुच्छा, सभा, गिरोह आदि।

संज्ञा भेदों के विशिष्ट प्रयोग

संज्ञा के तीनों भेदों के कुछ विशेष प्रयोग इस प्रकार हैं –

व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में

1.आजकल समाज में रावणों की कमी नहीं है

2.इस देश को जयचंदों से बचाना है।

यहां रावणों और जयचंदों का प्रयोग जातिवाचक संज्ञा के रूप में हुआ है।

जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में

1. नेता जी ने देश की आजादी के लिए पूरी शक्ति से प्रयत्न किया।

2. गांधीजी को देश कैसे भुला सकता है।

3. मदर जानती थी कि बीमार का इलाज भावना से भी होता है।

नेता जी --सुभाषचंद्र बोस

गांधी जी-- महात्मा गांधी

मदर-- मदर टेरेसा

(ये विशेष व्यक्तियों के लिए प्रयोग किए गए हैं)

नेता जी ,गांधी जी, मदर टेरेसा ऐसे शब्द हहैं, जो किसी जाति से जुड़े हैं, तो भी यहाँ यह व्यक्तियों की पहचान

बन गए हैं। यहां ये जातिवाचक संज्ञाएँ व्यक्तिवाचक संज्ञाओं के रूप में प्रयुक्त हुई हैं।

भाववाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में–

* कभी-कभी भाववाचक संज्ञाएँ भी जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग होती हैं;जैसे-

- उसकी **अच्छाइयाँ** खत्म नहीं होंगी।

अब तो **दूरियाँ** भी बढ़ती जा रही हैं।

* कभी-कभी विशेषण भी जातिवाचक संज्ञा की भूमिका निभाते हैं; जैसे-

- संसार में **अच्छे- अच्छों** को मुंह की खानी पड़ती है।

शेष अगली कक्षा में

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"